Toppersnotes®
Unleash the topper in you

SUPER TET

(सहायक अध्यापक)

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

भाग - 5

(प्राथमिक स्तर - 1 से 5)

हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्णमाला	1
2	वर्तनी शुद्धि	5
3	संज्ञा	10
4	सर्वनाम	12
5	विशेषण	14
6	क्रिया	17
7	वाच्य	20
8	कारक	22
9	लिंग	25
10	वचन	30
11	विराम चिन्ह	33
12	संधि	36
13	समास	48
14	उपसर्ग	58
15	प्रत्यय	62
16	अव्यय एवं अविकारी शब्द	67
17	तत्सम व तद्भव शब्द	71
18	वाक्य रचना	76
19	विलोम शब्द	80
20	वाक्य के एक शब्द	86
21	पर्यायवाची शब्द	94
22	मुहावरे	99
23	लोकोक्तियाँ	107

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	हिंदी भाषा का परिचय	114
25	हिन्दी लेखकों का सामान्य परिचय एवं रचनाएँ	121
26	Golden Rules of English Grammar	127
27	Preposition (उपसर्ग)	154
28	Article (लेख)	168
29	Modal Verb	175
30	Reading Comprehension (अपठित गद्यांश)	182

1 CHAPTER

वर्णमाला

- किसी भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसे छोटे भागों में और न तोड़ा जा सकता हों, ध्वनि कहलाती है, ध्वनि को वर्ण कहा जाता है। **वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला** कहा जाता है।
- हिंदी वर्णमाला में मूलत: कुल 44 वर्ण होते हैं जिन्हें 2 भागों में विभक्त गया है।

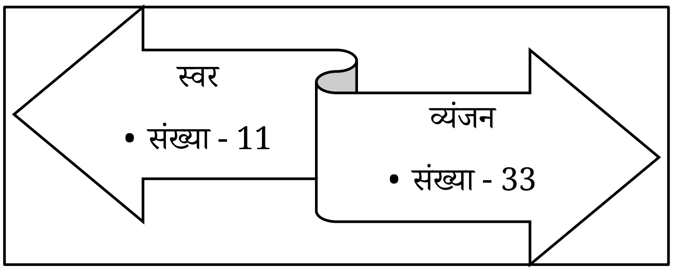

क्या आप जानते हैं?

वर्णों को लेकर विद्वान एकमत नहीं हैं। वर्णों की संख्या कहीं 52 तो कहीं 44 मानी गयी है। सरकारी वर्णमाला में ड़, ढ़, श्र को स्थान नहीं दिया गया है, अत: वहाँ कुल वर्णों की संख्या 53-3 = 49 ही मानी गयी है।

सर्वमान्य मत - 44 वर्ण हैं। (11 स्वर तथा 33 व्यंजन)

वर्णों का वर्गीकरण

- **श्वास वायु के आधार पर**
  - **(i) अनुनासिक** – अनुनासिक वर्णों की ध्वनि में श्वास वायु मुख के साथ नाक से बाहर निकलती है। अनुनासिक वर्णों में चन्द्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है। जैसे – अँ, इँ, प्रत्येक वर्ग का पाँचवां वर्ण।
  - **(ii) अल्प प्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय वायु का कम प्रवाह होता है, अल्प प्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का 1, 3 व 5 वाँ वर्ण।
  - **(iii) महाप्राण** – ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु का प्रवाह होता है, महाप्राण कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण।
- **स्वर तत्रों की स्थिति व कम्पन्न के आधार पर**
  - **(i) घोष/सघोष :-** घोष का शाब्दिक अर्थ है नाद या गूंज। जिन वर्णों का उच्चारण करते समय स्वर तंत्र में कंपन (गूंज उत्पन्न होना) होता है, उन्हें घोष वर्ण कहते हैं।

    घोष वर्णों की पहचान - सभी वर्गों के अन्तिम तीन वर्ण घोष वर्ण कहलाते हैं। इसके अतिरिक्त सभी स्वर भी घोष वर्ण होते हैं। इनकी कुल संख्या तीस है।
  - **(ii) अघोष :-** जिन वर्णों के उच्चारण में प्राणवायु में कम्पन नहीं होता अतः कोई गूंज उत्पन्न नहीं होती वे वर्ण अघोष वर्ण कहलाते हैं।

    अघोष वर्णों की पहचान - सभी वर्गों के पहले और दूसरे वर्ण अघोष वर्ण होते हैं, इनकी संख्या तेरह है।

स्वर

- ऐसी ध्वनियाँ अथवा वर्ण जिनका उच्चारण करने में अन्य किसी ध्वनि की सहायता की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें स्वर कहते हैं।
- स्वर स्वतंत्र एवं पूर्ण होते हैं। **स्वर 11 होते हैं** - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ।

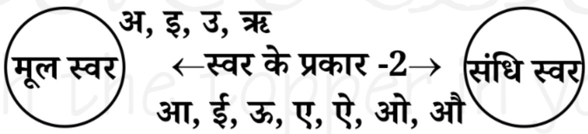

- **इन्हें मूलत: 3 भागों में बांटा जा सकता है।**
  - **(i) ह्रस्व स्वर** - जिन स्वरों के उच्चारण में अपेक्षाकृत कम समय लगे उन्हें ह्स्व स्वर कहा जाता है। इन्हें मूल स्वर भी कहा जाता है। जैसे - अ, इ, उ।
  - **(ii) दीर्घ स्वर -** जिन स्वरों को बोलने में अधिक समय लगे उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। इन्हें मात्रा द्वारा भी दर्शाया जाता है। ये दो स्वरों को मिला कर बनते हैं अतः इन्हें संयुक्त स्वर भी कहा जाता है। जैसे – आ, ई, ऊ।
  - **(iii) प्लुत स्वर** – जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ सवा से भी अधिक समय लगता है वे प्लुत स्वर कहलाते हैं।

- **जिह्वा के आधार पर स्वर**
    - **(i) अग्र स्वर** –स्वर जिसमे जीभ का अग्र भाग प्रयोग में आता हैं । - इ, ई, ए, ऐ
    - **(ii) मध्य स्वर** – जिसमे जीभ का मध्य भाग प्रयोग में आता हैं। - अ
    - **(iii) पश्चस्वर** – जिसमे जीभ का पश्च भाग प्रयोग में आता हैं । - आ, उ, ऊ, ओ, औ

वर्ण	**उच्चारण स्थान**
अ, आ	कंठ
इ, ई	तालु
ऋ	मूर्धा
उ, ऊ	ओष्ठ
ए, ऐ	कंठ + तालव्य
ओ, औ	कंठ + ओष्ठ

महत्वपूर्ण तथ्य –

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्ठाध्यायी रचना में मिलता है।
- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है

- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है

समानाक्षर स्वर

- ✓ आ – अ + अ
- ✓ ई – इ + इ
- ✓ ऊ – उ + उ

संधि स्वर

- ✓ ए – अ + इ
- ✓ ऐ – अ + ए
- ✓ औ – अ + ओ

- अंग्रेज़ी से गृहित स्वर – ऑ (डॉक्टर, कॉलेज)

व्यंजन

- स्वरों की सहायता से बोली जाने वाली ध्वनियों को ही व्यंजन कहा जाता है।
- जब हम क बोलते हैं तब उसमें क् + अ मिला होता है। इसी प्रकार प्रत्येक व्यंजन स्वर की सहायता से ही बोला जाता है।
- व्यंजन अस्वतंत्र एवं अपूर्ण होते हैं।
- व्यंजन को **मूलतः 3 भागों** में बांटा जा सकता है।

व्यंजन के मूलत: तीन प्रकार हैं

- **स्पर्श - संख्या : 25**
- **अंत:स्थ - संख्या : 4**
- **ऊष्म - संख्या : 4**

ToppersNotes
Unleash the topper in you

उच्चारण के आधार पर व्यंजनों को आठ भागों में बांटा गया है है:

1. **स्पर्शी** : ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में फेफड़ों सद्वारा छोड़ी गयी वाली हवा वाग्यंत्र के किसी अवयव का स्पर्श करके बाहर निकलती है, स्पर्शी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे – क् ख् ग् घ्, ट्, ठ ड ढ़, त्, थ् ध, प् फ् ब् भ्
2. **संघर्षी :** ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में दो उच्चारण अवयव इतनी निकटता पर आ जाते हैं कि बीच का मार्ग छोटा हो जाता है तब वायु उनसे घर्षण/संघर्ष करती हुई बाहर निकलती है, संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - श, ष्, स्, ह, ख्, ज, फ्
3. **स्पर्श संघर्षी :** ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में स्पर्श का समय अपेक्षाकृत अधिक होता है और उच्चारण के बाद वाला भाग संघर्षी हो जाता है, वे स्पर्श संघर्षी व्यंजन कहलाते हैं। जैसे - च्, छ, ज्, झ्।
4. **नासिक्य :** जिनके उच्चारण में हवा का प्रमुख अंश नाक से निकलता है। जैसे - ङ्, ञ, ण, न, म्।
5. **पार्श्विक :** जिनके उच्चारण में जिह्वा का अगला भाग मसूड़े को छूता है और वायु पार्श्व आस-पास से निकल जाती है, वे पार्श्विक हैं - जैसे - 'ल्'।

6. **प्रकम्पित :** ऐसे व्यंजन जिनके उच्चारण में जिह्वा दो-तीन बार कंपन करती है, वे प्रकंपित व्यंजन कहलाते हैं। जैसे- 'र'

7. **उत्क्षिप्त :** जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा की नोक झटके से ऊपर उठकर नीचे गिरती है तो वह उत्क्षिप्त ध्वनि कहलाती है। जैसे - ड़, ढ़

8. **संघर्ष हीन :** जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी संघर्ष या अवरोध के बाहर निकलती है वे संघर्षहीन ध्वनियाँ कहलाती हैं। जैसे-य, व। इनके उच्चारण में स्वरों से मिलता जुलता प्रयत्न करना पड़ता है, इसलिए इन्हें अर्धस्वर भी कहते हैं।

वर्ग	**स्पर्श वर्ण**					**उच्चारण स्थान**
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ	कंठ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ	तालु
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण	मूर्धा
त वर्ग	त	थ	द	ध	न	दंत
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म	ओष्ठ
प्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	महाप्राण	अल्पप्राण	
	अघोष	अघोष	सघोष	सघोष	सघोष	घोष

व्यंजन प्रकार	**वर्ण**	**उच्चारण स्थान**
अंत:स्थ व्यंजन	य	तालु
	र	दंत
	ल	दंत
	व	दंत + ओष्ठ
ऊष्म व्यंजन	श	तालु
	ष	मूर्धा
	स	दंत
	ह	कंठ

संयुक्त व्यंजन

- हिन्दी में तीन संयुक्त व्यंजन होते हैं। ये दो व्यंजनों के मेल से बने होते हैं।

क्ष = क् + ष्
त्र = त् + र् + अ
ज्ञ = ज् + ञ् + अ
श्र = श् + र् + अ

अयोगवाह

- वे वर्ण जो न तो स्वर होते है और न ही व्यंजन होते है उन्हें अयोगवाह (अं अः) कहा जाता है।
- अं को अनुस्वार (नाक), अँ को अनुनासिक (नाक मुख) और अः को विसर्ग (कंठ) कहा जाता है ।

वर्णों का उच्चारण स्थान

क्र. सं.	**वर्ण**	**उच्चारण स्थान**	**उच्चारण ध्वनि**
1	क वर्ग, अ, आ और विसर्ग	कंठ कोमल तालु	कंठ्य
2	च वर्ग, इ, ई, य, श	तालु	तालव्य
3	ट वर्ग, ऋ, र, ष	मूर्द्धा	मूर्द्धन्य
4	त वर्ग, लृ, ल, स	दन्त	दन्त्य
5	प वर्ग, उ, ऊ,	ओष्ठ	ओष्ठ्य
6	अ, ङ, ञ, ण, न्, म्	नासिका	नासिक्य
7	ए ऐ	कंठ तालु	कंठ - तालव्य
8	ओ, औ	कंठ ओष्ठ	कठोष्ठ्य
9	व	दन्त ओष्ठ	दन्तोष्ठ्य
10	ह	स्वर यन्त्र	अलिजिह्वा

महत्वपूर्ण तथ्य –

- हिंदी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिंदु) का प्रयोग किया जाता है जिन्हें आगत / गृहीत व्यंजन कहा जाता है।

- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है

  क़ – क़रीब

  ख़ – ख़राब

  ग़ – ग़म

  ज़ – ज़रा

  फ़ – फ़न (अंग्रेज़ी)
- नुक्ता / आगत व्यंजनों का आगमन अरबी/फ़ारसी, अंग्रेज़ी भाषा से हुआ है।
- नुक्ता व्यंजन की शुरुआत का श्रेय हिंदी विद्वान "विप्रसाद सितारे हिन्द" को जाता है।

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य

- हिंदी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अ: (विसर्ग) ध्वनियाँ हैं को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वर में जोड़ा जाता है न ही व्यंजन में
- अनुस्वार (अं) व विसर्ग (अ:) को अयोगवाह नाम देने का श्रेय किशोरी दास वाजपेयी को जाता है
- तालु उच्चारण स्थान पर आने वाले वर्णों को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागों में विभाजित किया गया है
- वर्त्स वर्णों में न, ल, स को शामिल किया गया है इनकी कुल संख्या 4 होती है
  1. जिह्वा
  2. अधरोष्ठ (नीचे का होठ)
  3. स्वर तंत्रियाँ
  4. कोमल तालु
- काकल वर्ण के अंतर्गत विसर्ग (:) को शामिल किया गया है
- **रकार / रेफ या र सम्बंधित नियम**

  (i) नियम 1: यदि र के बाद व्यंजन आए तो र को उसी व्यंजन वर्ण के के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजनवर्ण के ऊपर लिखा जाता है

  जैसे – कर्म, धर्म, स्वर्ग, पुनर्जन्म आदि

  (ii) नियम 2: यदि र से पहले व्यंजन वर्ण आये तो र को उसी व्यंजन वर्ण के मध्य में लिखा जाता है

  जैसे – प्रकाश, भ्रष्ट, प्रभात, प्रेम, क्रम आदि
- **उत्क्षिप्त वर्ण का नियम**

  ✓ **नियम 1 :** यदि शब्द की शुरुआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है

  जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया आदि

  ✓ **नियम 2:** यदि शब्द के अंतर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आती है

  जैसे – पण्डित, बुड्ढा, खण्ड, मण्डल आदि

  नोट – उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिंदु आती है जैसे – लड़ाई, सड़क,पकड़ना, पढ़ाई आदि

2 CHAPTER वर्तनी शुद्धि

- किसी भी भाषा में शब्दों की ध्वनियों को जिस क्रम और जिस रूप से उच्चारित किया जाता है, उसी क्रम और उसी रूप से लेखन की **रीति को वर्तनी** कहते हैं।
- शब्दों को सही और मानक ढंग से **लिखने की प्रक्रिया ही वर्तनी** कहलाती हैं।
- किसी भी भाषा की समस्त ध्वनियों को सही ढंग से उच्चारित करने के लिए वर्तनी एकरूपता स्थिर की जाती है। वर्तनी का सीधा संबंध **भाषा गत ध्वनियों के उच्चारण** से है। शुद्ध वर्तनी के लिए **शुद्ध उच्चारण** भी आवश्यक है।

हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण :

1. संयुक्त वर्ण :

✓ **खड़ी पाई वाले व्यंजन -** खड़ी पाई वाले व्यंजनों का संयुक्त रूप खड़ी पाई को हटाकर ही बनाया जाना चाहिए ।

✓ यथा; ख्याति, लग्न, विघ्न, कच्चा, छज्जा, नगण्य, कुत्ता, पथ्य, ध्वनि, न्यास, प्यास, डिब्बा, सभ्य, रम्य, उल्लेख, व्यास, श्लोक, राष्ट्रीय, यक्ष्मा आदि ।

2. विभक्ति चिह्न :

✓ हिन्दी के विभक्ति चिह्न सभी प्रकार के संज्ञा शब्दों में प्रातिपदिक से पृथक लिखे जाए ।
जैसे - राम ने, राम को, राम से आदि तथा स्त्री ने, स्त्री को, स्त्री से आदि।

✓ सर्वनाम शब्दों में ये चिह्न प्रातिपदिक के साथ मिलाकर लिखे जाये ।
जैसे - उसने, उसको, उससे।

✓ सर्वनाम के साथ यदि दो विभक्ति चिह्न हों तो उनमें से पहला मिलाकर और दूसरा पृथक् लिखा जाये ।
जैसे - उसके लिए, इसमें से।

3. क्रिया पद : संयुक्त क्रियाओं में सभी अंगी भूत क्रियाएँ पृथक - पृथक लिखी जाए ।
जैसे - पढ़ा करता है, बढ़ते चले जा रहे हैं, आ सकता है, खाया करता है, खेला करेगा, घूमता रहेगा आदि।

4. संयोजक चिह्न: (हाइफन) संयोजक चिह्न का विधान अर्थ की स्पष्टता के लिए किया गया है । यथा -

✓ द्वन्द्व समास में पदों के बीच संयोजक चिह्न रखा जाए।
जैसे : दिन-रात, देख-रेख, चाल-चलन, हँसी-मजाक, लेन-देन, शिव-पार्वती-संवाद, खाना-पीना, खेलना-कूदना।

✓ **'सा'**, **'जैसा'** आदि से पूर्व संयोजक चिह्न रखा जाए।
जैसे : तुम-सा, मोटा-सा, कौन-सा, कपिल-जैसा, चाकू से तीखे ।

✓ तत्पुरुष समास में संयोजक चिह्न का प्रयोग वहीं किया जाए, जहाँ उसके बिना अर्थ के स्तर पर भ्रम होने की संभावना हो, अन्यथा नहीं;
जैसे : भू-तत्त्व (पृथ्वी तत्त्व)। संयोजक चिह्न न लगाने पर भूतत्व लिखा जाएगा और इसका अर्थ भूत होने का भाव भी लगाया जा सकता है।

✓ सामान्यतः तत्पुरुष समास में संयोजक चिह्न लगाने की आवश्यकता नहीं है, अतः शब्दों को मिलाकर ही लिखा जाए,
जैसे: रामराज्य, राजकुमार, गंगाजल, ग्रामवासी, आत्महत्या आदि। किन्तु अ-नख (बिना नख का), अ नति (नम्रता का अभाव) अ-परस (जिसे किसी ने छुआ न हो) आदि शब्दों में संयोजक चिह्न लगाया जाना चाहिए अन्यथा अनख, अनति, अपरस शब्द बन जाएँगे।

5. अव्यय: तक, साथ आदि अव्यय सदा पृथक् लिखे जायें।
जैसे - आपके साथ, यहाँ तक।

वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

मात्रा सम्बन्धी अशुद्धियाँ व उनके शुद्ध रूप			
अशुद्ध	**शुद्ध**	**अशुद्ध**	**शुद्ध**
(अं)			
अगूंर	अंगूर	अन्श	अंश
अंलकार	अलंकार	कन्ठ	कंठ/कण्ठ
अन्जलि	अंजलि	कन्धा	कंधा
(अ)			
आधीन	अधीन	बांगला	बँगला
आधिकारी	अधिकारी	हस्पताल	अस्पताल
आनाधिकार	अनधिकार	बारात	बरात
आविस्मरणीय	अविस्मरणीय	आलावा	अलावा
(आ)			
अगामी	आगामी	चहिए	चाहिए
अजमाइश	आजमाइश	तत्कालिक	तात्कालिक
अहार	आहार	तलाव	तालाब
अशीर्वाद	आशीर्वाद	नदान	नादान
अवश्यकता	आवश्यकता	रमायण	रामायण
अकाश	आकाश	नराज	नाराज
अन्त्यक्षरी	अन्त्याक्षरी	ललायित	लालायित
नरायण	नारायण	परलौकिक	पारलौकिक
भगीरथी	भागीरथी	व्यवहारिक	व्यावहारिक
मतन्तर	मतान्तर	व्यवसायिक	व्यावसायिक
चहरदीवारी	चहारदीवारी	संसारिक	सांसारिक
जमाता	जामाता	कल्यण	कल्याण
(इ)			
अतिथी	अतिथि	प्रतीज्ञा	प्रतिज्ञा
अभीनेता	अभिनेता	ब्रिटीश	ब्रिटिश
अभीमान	अभिमान	अशुद्धी	अशुद्धि
परिणती	परिणति	स्थायीत्व	स्थायित्व
बहीरंग	बहिरंग	पतीव्रता	पतिव्रता
अन्तीम	अन्तिम	कवीता	कविता
तिथी	तिथि	उत्पत्ती	उत्पत्ति
जलांजली	जलांजलि	विद्यार्थीयों	विद्यार्थियों
वाल्मीकी	वाल्मीकि	नीती	नीति
परीचय	परिचय	कालीदास	कालिदास
समिती	समिति	अनीवार्य	अनिवार्य

Toppers Notes Unleash the topper in you

अभीलाषा	अभिलाषा	आखीर	आखिर
कोशीश	कोशिश	कोटी-कोटी	कोटि-कोटि
क्योंकी	क्योंकि	क्षत्रीय	क्षत्रिय
परीवार	परिवार	पुष्टी	पुष्टि
कृषी	कृषि	पूर्ती	पूर्ति
चरीतार्थ	चरितार्थ	सम्पत्ती	सम्पत्ति
स्थिती	स्थिति		
(उ)			
ऊत्पात	ऊत्पात	ऊत्थान	उत्थान
दूबारा	दूबारा	पूण्य	पुण्य
रेणू	रेणू	ऊपद्रव	उपद्रव
भानू	भानू	गोलामी	गुलामी
हिन्दोस्तान	हिन्दुस्तान	साधूवाद	साधुवाद
(ऊ)			
अनुदित	अनूदित	अनूकुल	अनुकूल
उँचाई	ऊँचाई	कौतुहल	कौतूहल
पुर्व	पूर्व	पुज्य	पूज्य
दुसरा	दूसरा	बुढा	बूढ़ा
हिन्दु	हिन्दू	सिन्दुर	सिन्दूर
('ए' 'ऐ')			
चाहिऐ	चाहिए	ऐक	एक
ऐकान्त	एकान्त	ऐषणा	एषणा
एसा	ऐसा	एतिहासिक	ऐतिहासिक
ऐकान्तिक	एकान्तिक	एश्वर्य	ऐश्वर्य
('ओ', 'औ')			
सरवर	सरोवर	भूगोलिक	भौगोलिक
अनेको	अनेक	ओलाद	औलाद
मोलवी	मौलवी	प्रत्येकों	प्रत्येक
ओषधालय	औषधालय	ओरत	औरत
(ऋ)			
अनुग्रहीत	अनुगृहीत	क्रित्रिम	कृत्रिम
प्रक्रिति	प्रकृति	प्रथक्	पृथक
ग्रहीत	गृहीत	पैत्रिक	पैतृक
संग्रहीत	संगृहीत	द्रश्य	दृश्य
पृथा	प्रथा	कृया	क्रिया
तृकोण	त्रिकोण	गृहक	ग्राहक
जाग्रत	जागृत	रिग्वेद	ऋग्वेद

व्यंजन संबंधी अशुद्धियाँ			
अंस	अंश	सीड़ी	सीढ़ी
अबिराम	अभिराम	वीना	वीणा
इष्ठ	इष्ट	परिनाम	परिणाम
परिमान	परिमाण	धोका	धोखा
गनित	गणित	उश्रृंखल	उच्छृंखल
खीजना	खीझना	पुन्य	पुण्य
पौदा	पौधा	चिन्ह	चिह्न
सीदा	सीधा	प्रनाली	प्रणाली
गोबी	गोभी	नारायन	नारायण
सदृश्य	सदृश	पिजड़ा	पिंजरा
हल् चिह्न (्) सम्बन्धी अशुद्धियाँ			
अर्थात	अर्थात्	पश्चात	पश्चात्
च्युत्	च्युत	अष्टम्	अष्टम
बुद्धिमान	बुद्धिमान्	हनुमान	हनुमान्
भागवत्	भागवत	दशम्	दशम
वणिक	वणिक्	सत	सत्
विधिवत	विधिवत्	शक्तिमान	शक्तिमान्
श्रीमान	श्रीमान्	परिषद	परिषद्
विद्वान	विद्वान्	श्रद्धावान	श्रद्धावान्
पंचम्	पंचम	प्राचीनतम्	प्राचीनतम

'ण' व 'न' की अशुद्धियाँ

- 'ण' सामान्यत: संस्कृत शब्दों में प्रयोग किया जाता है। जिन तत्सम शब्दों में 'ण' होता है, उनके तद्भव रूप में 'ण' के स्थान पर 'न' प्रयुक्त होता है।
  - ✓ जैसे: रण-रन, फण-फन, कण-कन, विष्णु-विष्नु।
- पंजाबी और राजस्थानी भाषा में सामान्यतया 'ण' ही बोला जाता है।
- किसी एक ही पद में यदि ऋ, ए और ष् के बाद 'न्' हो तो 'नू' के स्थान पर 'ण' हो जाता है, भले ही इनके बीच कोई स्वर, यू, वू, ह, क वर्ग, प वर्ग का वर्ण तथा अनुस्वार आया हो।
  - ✓ जैसे: ऋण, कृष्ण, विष्णु, भूषण, ऊष्ण, रामायण, श्रवण इत्यादि ।
- किन्तु, यदि इनसे कोई भिन्न वर्ण आये तो 'न' का 'ण' नहीं होता है।
  - ✓ जैसे: अर्चना, मूर्छना, रचना, प्रार्थना ।

'ब' और 'व' की अशुद्धियाँ

- 'ब' और 'व' के प्रयोग में हिन्दी में प्राय: अशुद्धियाँ होती है। इन अशुद्धियों का कारण है, अशुद्ध उच्चारण।
- शुद्ध उच्चारण के आधार पर ही 'ब' और 'व' में भेद किया जाता है।
- 'ब' के उच्चारण में दोनों होंठ जुड़ जाते हैं पर 'व' के उच्चारण मे निचला होंठ ऊपर वाले दाँतों के अगले हिस्से के निकट चला जाता है और दोनों होंठों का आकार गोल हो जाता है, वे मिलते नहीं हैं।
- ठेठ हिन्दी में 'ब' वाले शब्दों की संख्या अधिक है, 'व' वालों की कम।
- ठीक इसके विपरीत संस्कृत में है अर्थात संस्कृत में 'व' वाले शब्दों की संख्या अधिक है। संस्कृत से अनेक शब्द हिन्दी ने ग्रहण किए हैं।
- प्राय: 'व' का 'ब' होने पर या 'व' का 'व' होने पर अर्थ बदल जाता है,
  - ✓ **जैसे**: वहन-वहन, शव-शव, वाए-वाए, रव-रव, वली-बली, वाद-वाद, वात-वात ।

अशुद्ध	शुद्ध
बिकार	विकार
बास्तव में	वास्तव में
बाणी	वाणी
बिकास	विकास
बिद्यालय	विद्यालय

'छ' और 'क्ष' की अशुद्धियाँ

- ‘छ’ एक स्वतंत्र व्यंजन है, तो 'क्ष' संयुक्त व्यंजन है। यह क् और ष् के मेल से बना है। 'क्ष' संस्कृत में अधिक प्रयुक्त होता है।

अशुद्ध	शुद्ध
छमा	क्षमा
छेत्र	क्षेत्र
छोभ	क्षोभ
छत्रिय	क्षत्रिय

'श', 'ष' और 'स' की अशुद्धियाँ

- 'श', 'ष' और 'स' भिन्न-भिन्न अक्षर हैं। इन तीनों की उच्चारण प्रक्रिया अलग-अलग है। उच्चारण-दोष के कारण ही वर्तनी अशुद्धियाँ होती हैं। इनके उच्चारण में निम्नांकित बातों की सावधानी रखी जानी आवश्यक है-
  - (क) 'ष' केवल संस्कृत शब्द में आता है, जैसे-उकषा, सन्तोष, भाषा, गन्वेषण, आदि।
  - (ख) जिन संस्कृत शब्दों की मूल घातु में 'ष' होता है, उनसे बने शब्दों में भी 'ष' रहता है, जैसे-'शिष्' धातु से शिष्य, शिष्ट, शेष आदि।
  - (ग) सन्धि करने में क, ख, ट, ठ, प, फ के पूर्व आया हुआ विसर्ग (:) हमेशा 'ष' हो जाता है।
  - (घ) यदि किसी शब्द में 'स' हो और उसके पूर्व 'अ' या 'आ' के सिवा कोई भिन्न स्वर हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' होता है।
  - (ङ) ट वर्ग के पूर्व केवल 'ष' आता है, जैसे-षोडश, षडानन, कष्ट, नष्ट, भ्रष्ट।
  - (च) ऋ के बाद प्रायः 'ष' ही आता है, जैसे- ऋषि, कृषि, वृष्टि, तृषा ।
  - (छ) संस्कृत शब्दों में च, छ के पूर्व 'श' ही आता है, जैसे- निश्चय, निश्छल ।
  - (ज) जहाँ 'श' और 'स' एक साथ प्रयुक्त होते हैं वहाँ 'श' पहले आता है, जैसे-शासन, शासक, प्रशंसा, नृशंस।
  - (झ) जहाँ 'श' और 'ष' एक साथ आते हैं, वहाँ 'श' के पश्चात् 'ष' आता है, जैसे-शोषण, शीर्षक, शेष, विशेष इत्यादि ।
  - (ञ) उपसर्ग के रूप में नि:, वि आदि आने पर मूल शब्द का 'स' पूर्ववत् बना रहता है, जैसे-नि:संशय, नि:सन्देह, विस्तृत, विस्तार।
  - (ट) यदि तत्सम शब्द 'श' हो, तो उसके तद्भव में 'स' होता है, जैसे-शूली-सूली, शाक-साग, शूअर-सूअर, श्वसुर-ससुर, श्यामल-साँवला ।
  - (ठ) कभी-कभी 'स्' के स्थान पर 'स' होने पर और कभी शब्द के आरंभ में 'स्' के साथ किसी अक्षर का मेल होने पर अशुद्धियाँ होती हैं, जैसे- स्त्री (शुद्ध) - इस्त्री (अशुद्ध), स्नाभ(शुद्ध) अस्नान (अशुद्ध), परस्पर (शुद्ध) - परसपर (अशुद्ध) ।
  - (ड) कुछ शब्दों के रूप वैकल्पिक होते हैं, जैसे- कोश, कोष, केशर-केसर, कौशल्या-कौसल्या, केशरी-केसरी, भाशा-भाषा, वशिष्ठ-वसिष्ठ। ये दोनों रूप शुद्ध हैं।

अनुनासिकता, अनुस्वार सम्बन्धित अशुद्धियाँ

- अनुस्वार व अनुनासिकता दोनों ही नासिक्य ध्वनि को दर्शाते हैं, अनुस्वार में बिंदु का तथा अनुनासिकता में चन्द्रबिन्दु का प्रयोग किया जाता है।

अशुद्ध	शुद्ध
गांधी	गाँधी
सम्बंध	संबंध
हंसी	हँसी

3 CHAPTER संज्ञा

- वे विकारी शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव, अवस्था, गुण या दशा के नाम का बोध करते हों संज्ञा कहलाते हैं।
- संज्ञा शब्द दो शब्दों **सम् + ज्ञा** से मिलकर बना है अर्थात् वह प्रत्येक वस्तु (सजीव या निर्जीव) जिसका कोई नाम है वह संज्ञा है।

संज्ञा के प्रकार

- संज्ञा के मूलत: 3 भेद /प्रकार हैं। जो व्युत्पत्ति के आधार पर हैं। परन्तु दो अन्य भेद अर्थ के आधार पर भी माने गए है।

व्युत्पत्ति के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से किसी एक विशेष व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम का बोध हो, उन्हें**'व्यक्तिवाचक संज्ञा'** कहते हैं।

   उदाहरण : अभिषेक, जयपुर, रमा, रहीम , अरावली ,समुद्रगुप्त, गंगा, कामायनी, सुशील आदि।

2. **जातिवाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों से एक ही प्रकार की सम्पूर्ण जाति, वर्ग अथवा समुदाय का बोध हो, उन्हें**'जातिवाचक संज्ञा'** कहते हैं। इसमे मुख्यत: समूहवाचक शब्द आते हैं ।

   उदाहरण : पुरुष, शहर, पशु, मुनष्य, सेना, पर्वत, सभा, गाय, डॉक्टर , नगर , बालक, लडकी, आदमी, दोस्त, पुस्तक , पहाड़ , लड़का, जुलाहा, मंत्री, बहन, लेखक आदि।

3. **भाववाचक संज्ञा :** जिन संज्ञा शब्दों सें प्राणियों और वस्तुओं के गुण-दोष, धर्म, अवस्था, भाव और व्यापार आदि का बोध हो, उन्हें **'भाववाचक संज्ञा'** कहते है।

   उदाहरण : अच्छाई, मिठास, गर्मी, बुढ़ापा, सुन्दरता, नारीत्व, चतुरता, बचपन, दाम, क्रोध, गर्व, दौड़, अनुशासन इत्यादि ।

भाववाचक संज्ञा का निर्माण

- भाववाचक संज्ञा का निर्माण 5 प्रकार से किया जा सकता है।

1. **जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा**
   - (i) **'ता' प्रत्यय:** मानव-मानवता, मित्र-मित्रता, प्रभु-प्रभुता, पशु-पशुता।
   - (ii) **त्व प्रत्यय :** पशु-पशुत्व, मनुष्य-मनुष्यत्व, कवि-कवित्व, गुरु-गुरुत्व।
   - (iii) **पन :** लड़का-लड़कपन, बच्चा-बचपन ।
   - (iv) **अ :** शिशु-शैशव, गुरु-गौरव, विभु-वैभव।
   - (v) **इ :** भक्त-भक्ति ।
   - (vi) **ई :** नौकर-नौकरी, चोर-चोरी।
   - (vii) **आपा :** बूढ़ा-बुढ़ापा, बहन-बहनापा।
2. **सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा :**
   - (i) **त्व : अपना -** अपनत्व, निज निजत्व, स्व-स्वत्व ।
   - (ii) **पन : अपना -** अपनापन, पराया-परायापन ।
   - (iii) **कार : अहं** - अहंकार।
   - (iv) **स्व: सर्व -** सर्वस्व ।
3. **विशेषण से भाववाचक संज्ञा :**
   - (i) **आई :** साफ-सफाई, अच्छा अच्छाई, बुरा-बुराई।
   - (ii) **आस :** खट्टा-खटास, मीठा-मिठास ।
   - (iii) **ता :** उदार-उदारता, वीर वीरता, सरल-सरलता ।
   - (iv) **य :** मधुर -माधुर्य, सुन्दर-सौन्दर्य, स्वस्थ-स्वास्थ्
   - (v) **पन :** खट्टा- खट्टापन, पीला-पीलापन।
   - (vi) **त्व :** वीर -वीरत्व।
   - (vii) **ई :** लाल लाली।

4. क्रिया से भाव-वाचक संज्ञा :

(i) **अ**: खेलना-खेल, लूटना लूट, जीतना-जीत।

(ii) **ई:** हँसना-हँसी।

(iii) **आई:** चढ़ना चढ़ाई, पढ़ना-पढ़ाई, लिखना-लिखाई।

(iv) **आवट:** आवट-बनाना-बनावट, थकना-थकावट, लिखना-लिखावट।

(v) **आव :** चुनना-चुनाव।

(vi) **आहट:** घबराना-घबराहट, गुनगुनाना-गुनगुनाहट ।

(vii) **उडना** : उड़ान।

(viii) **न** : लेना-देना लेन-देन, खाना-खान।

5. अव्यय से भाववाचक संज्ञा

(i) **ई :** भीतर-भीतरी, ऊपर, ऊपरी दूर-दूरी।

(ii) **य :** समीप सामीप्य ।

(iii) **इक :** परस्पर -पारस्परिक, व्यवहार - व्यावहारिक ।

(iv) **ता :** निकट निकटता, शीघ्र शीघ्रता।

अर्थ के आधार पर संज्ञा के प्रकार

1. **समूहवाचक संज्ञा :** जिस संज्ञा शब्द से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे – सभा, परिवार, कक्षा, दल, गिरोह, संघ, गुच्छा, पुंज, ढेर।

2. **द्रव्य वाचक संज्ञा:** जिन संज्ञा शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ या द्रव्य का बोध होता है जिसे हम नाप – तौल सकते हैं लेकिन गिन नहीं सकते उन्हें द्रव्य वाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – दूध, पानी, पेट्रोल, सोना, लोहा, कोयला, लकड़ी, कागज, चीनी, आटा, घास।

क्या आप जानते हैं?

- जब कभी द्रव्यमान संज्ञा शब्द बहुवचन के रूप में द्रव्य के प्रकारों का बोध कराता है।, तब वह जातिवाचक संज्ञा बन जाता है। जैसे - यह फर्नीचर कई प्रकार के लकड़ियों से बना है।
- जब समूहवाचक संज्ञा बहुत सी समूह ईकाइयों को प्रकट करता है, तब बहुवचन में प्रयुक्त होता है। जैसे दोनों सेनाएँ आपस में जमकर लड़ी।
- जब कभी भाववाचक संज्ञा शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते है, तब वे जातिवाचक संज्ञा बन जाते है। जैसे बुराईयों से बचकर रहो।
- कुछ भाववाचक शब्द मूल शब्द है। जैसे प्रेम, घृणा, क्रोध आदि।
- अधिकांश भाववाचक शब्द यौगिक होते है -गरीब-गरीबी। लड़का-लड़कपन
- भावचावक संज्ञाएँ जातिवाचक संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम, अव्यय और क्रिया शब्दों के अंत में त्व, ता, वन, पा, आस, आई, वट, हट इत्यादि प्रत्यय लगाकर बनाई जाती है। जैसे मित्र-मित्रता, अपना-अपनत्व, लम्बा-लम्बाई आदि।

Unleash the topper in you

26
CHAPTER

Golden Rules of English Grammar

NOUN

Rule:1

- कभी – कभी **Proper Noun** के पहले **"The"** का प्रयोग करके, उसे **Common noun** की तरह प्रयोग करते हैं ।

  Example

  ✓ Kalidas is **the Shakespeare** of India.

- कभी – कभी **proper noun** को भी **common Noun** की तरह प्रयोग करते हैं । उस समय **Proper Noun** एक **जाति या जाति के किसी व्यक्ति** को व्यक्त करता हैं ।

  Example

  ✓ There are five **Ram** in my Class.

- **Proper, Material** और **Abstract Noun** सदैव **एक वचन (Singular)** में होती हैं, परंतु जब इनका प्रयोग **बहुवचन (Plura)** की तरह होता हैं तो ये **Common Noun** बन जाती हैं ।

  Example

  ✓ **Simran** is the wife of Shivam. (Proper Noun)

Rule 2: सामान्यत: **Collective Noun** के साथ **singular verb** का प्रयोग होता हैं । इनके साथ **plural verb** का प्रयोग तभी करते हैं जब **प्रत्येक सदस्य** के बारें में बताया जाता हैं ।

Example

- The **crowd** of the migrant workers at the station for the Shramik Special is unforgettable.
- A **pride** of lions consists of related females, cubs, and a small number of adult males.

Rule 3: कुछ Nouns का प्रयोग हमेशा Plural form में ही रहता है। इन Nouns के अन्त में लगे 's' को हटाकर, इन्हें Singular नहीं बनाया जा सकता है। ये दिखनें में भी Plural लगते हैं, एवं इनका प्रयोग भी Plural की तरह होता है।

- **Words :** Alms, amends, annals, archives, ashes, arrears, athletics, auspices, caves, species, scissors, trousers, pants, clippers, bellows, gallows, fangs, eyeglasses, goggles, belongings, breeches, bowels, braces, binoculars, customs, congratulations, dregs, earnings, entrails, embers, fetters, fireworks, lodgings, lees, odds, outskirts, particulars, proceeds, proceedings, regards, riches, remains, savings, shambles, shears, spectacles, surroundings, tidings, troops, tactics, thanks, tongs, vegetables, valuables, wages, Bacteria etc.

  Example

  ✓ My father gave me a pair of binoculars on my birthday.

  ✓ Bacteria are single-celled organisms that can reproduce on their own.

Rule 4: कुछ Nouns दिखने में Plural लगतें हैं लेकिन अर्थ में Singular होते हैं। इनका प्रयोग हमेशा Singular में ही होता है।

- **Words:** News, Innings, Politics, Summons, Physics, Economics, Ethics, Mechanics, Mathematics, Mumps, Rickets, Billiards, Draughts, etc.

  Example

  ✓ The first innings of the match was very sensational.

Rule 5: कुछ Nouns दिखने में Singular लगते हैं। लेकिन इनका प्रयोग हमेशा Plural में होता है।

- **Words:** cattle clergy, cavalry, infantry, poultry, peasantry, children, gentry, police etc.

  Example

  ✓ Cattle have died when liquid manure stored in pits under slotted floors was agitated.

Toppers Notes Unleash the topper in you

Rule 6: कुछ Nouns का प्रयोग, केवल Singular form में ही किया जाता है। ये Uncountable Nouns हैं। इनके साथ Article A/An का प्रयोग भी नहीं किया जाता है।

- **Words:** Scenery, Poetry, Furniture, Advice, Information, Hair, Language, Business, Mischief, Bread, Stationery, Crockery, Luggage, Baggage, Postage, Knowledge, Wastage, Money, Jewellery, Breakage, temper.

  Example

  ✓ We need to buy new furniture for the office.

  ✓ The scenery was so beautiful that John was mesmerized and captivated by all that he saw.

  ✓ Dozens of lower courts have rejected cases pressed by Trump and his allies.

Rule 7: कुछ Nouns, Plural एवं Singular दोनों में एक ही रूप में रहते हैं।

- **Words:** deer, fish, crew, family, team, jury, carp, pike, trout, aircraft, counsel, committee etc.

  Example

  ✓ The committee were split on whether the new regulations for the National Health Protection Scheme should be implemented.

Rule 8: कुछ Nouns जो अर्थ में तो Plural होते हैं, लेकिन यदि इनके पूर्व कोई निश्चित संख्यात्मक विशेषण (Definite numeral adjective) का प्रयोग किया जाता है, तो इन Nouns को Pluralise नहीं किया जाता है।

- **Words:** Pair, score, gross, stone, hundred, dozen, thousand, million, Billion etc.

  Example

  ✓ Amount of less than a million rupees is required right now. Take the money to the bank and withdraw it.

  ✓ His sons-in-law have enhanced his business within a short period.

Rule 9: यदि किसी Noun के बाद Preposition आता है एवं फिर वही Noun आता है तो वह Noun Singular रहता है।

Example:

a. **Town <u>after</u> town** was devastated.

b. **Row <u>upon</u> row** of pick marble looks beautiful.

c. He enquired from **door <u>to</u> door.**

d. **Ship <u>after</u> ship** is arriving.

Note: इस तरह के वाक्यों में Towns after Towns, Rows upon Rows, doors to doors या ships after ships लिखना गलत है।

Rule 10: किसी वाक्य में Numeral Adjective के बाद a half, या a quarter आता है तो Noun को Numeral Adjective के बाद रखा जाता है। एवं फिर a half या a quarter लिखा जाता है।

Example:

a. He gave me one rupee and a half.

b. She gave me two rupees and a quarter.

Notes: यदि numeral adjective एवं fraction को and से जोड़ा गया हो एवं वाक्य में multiply के अर्थ में प्रयुक्त हो तो noun का प्रयोग Plural number में a half/ a quarter के बाद होगा।

Example:

a. Two and a quarter times.

b. One and a half times.

यहाँ वाक्य में multiply किया गया है। अतः Noun 'times' Plural में a quarter / a half के बाद प्रयुक्त हुआ है।

Rule 11: Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural form में नहीं होता हैं ।

Example:

a. He gave me two **<u>hundred-rupee</u>** notes.

b. He stays in **<u>five- star</u>** hotels. (stars को star में परिवर्तित करें)

Rule 12: A set of/ a pair of/ a group of / each of/either of/ neither of के साथ Noun plural और helping verb singular उपयोग होती हैं।

Example:

a. **<u>A set of</u>** proceeds was deposited in bank account.

b. **<u>A pair of</u>** shocks has bought by Ramesh.

c. **<u>Each of</u>** Students has solved this Questions.

Rule 13: both of / all of + Noun plural + helping Plural

Example:

a. **<u>All of</u>** students are thrown out in my class.

Rule 14: Numeral + unit (singular) + Noun (singular)/ adjective

Numeral + unit (Plural) + adjective

Example:

a. She saw **<u>a six foot</u>** snake.

b. He is **<u>six feet</u>** tall

Rule 15:

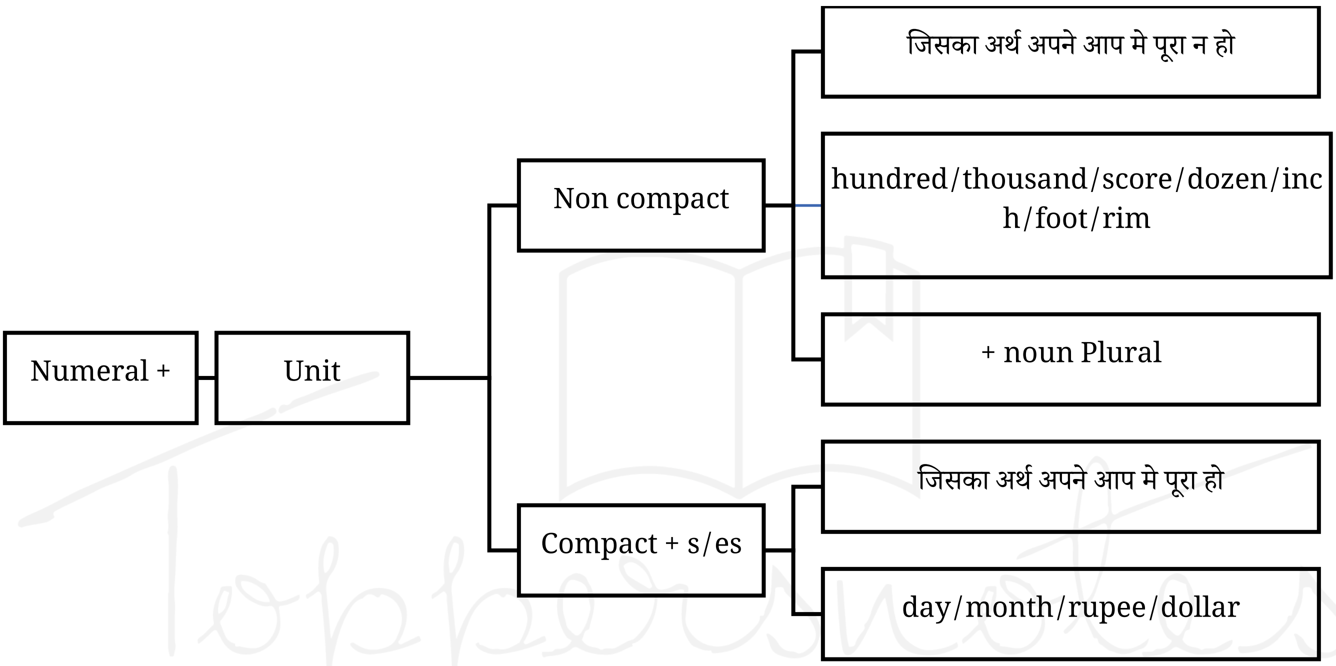

Example:

a. Ramesh spent ten rupees.

b. She sold two dozens.

c. We bought two dozen mangoes from the market.

Rule 16: Unit (Plural) of noun (Plural) + plural helping verb

Example:

a. Hundreds of shops are closed during riot.

b. Balloons filled with helium travel hundreds or even thousands of miles.

Rule 17: more than one unit in sentence. We use unit in ascending order.

Example:

a. Thousands of lakhs of student of student have given test.

Rule 18:

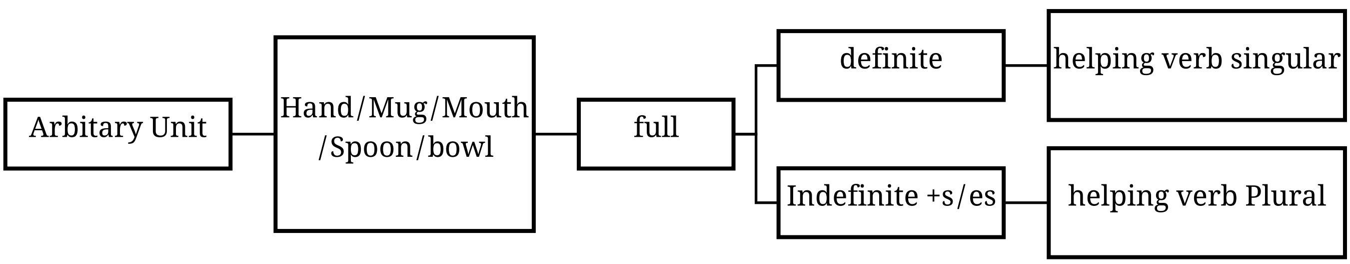

Example:

a. Two Spoonful

b. His sons-in-law have enhanced his business within a short period

Rule 19:

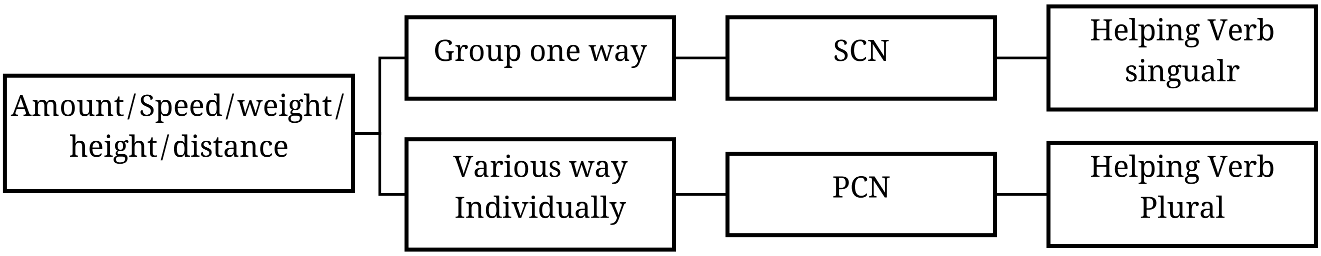

Example:

a. Ten miles needs to covered completely on foot.

b. Five thousands rupees were spent on foot and entertainment.

PRONOUN

Rule 1: किसी Sentence में verb के पहले आने वाला pronoun, Nominative case में और Pronoun का प्रयोग verb के बाद होता हैं तो वह objective Case का प्रयोग होता हैं ।

Structure:

- Subjective / Nominative + Verb + Objective → I teach him → Active Voice
- Subjective/ Nominative + Verb + Objective → He is taught by me. → Passive Voice

  Example:

  a. The credit for organizing the successful event was given to both Neha and me.

  b. She came home to meet my family and me.

Rule 2: Singular Pronoun: यदि एक sentence में एक से अधिक pronoun का प्रयोग किया जाता हैं और तो और sentence से किसी बुरी बात का आभास न हो, उन्हे 231 क्रम (2nd person, 3rd Person, 1st Person) का प्रयोग होता हैं ।

Example

✓ Sia and I spent a few magical minutes observing giraffes and elephants assembling at a watering hole.

✓ Mary and I will be going to the movies after we're done with the marathon.

Rule 3: Plural Pronoun: जब किसी Sentence में एक से अधिक Pronoun का प्रयोग हो और वो Plural हो तो उन्हे 123 क्रम (1st Person, 2nd person, 3rd Person) का प्रयोग होता हैं ।

Example

- You, she and I will be traveling by my car.

Rule 4: यदि Sentence में कोई गलती का सन्दर्भ आए या कोई भूल या अपराध का जिक्र हो या वाक्य का भाव Positive नहीं हो तो Pronouns का क्रम 123 की तरह होना चाहिए।

Example

- I and he will beg sorry for the misconduct.

Rule 5: यदि sentence में एक से अधिक भिन्न – भिन्न persons के Pronounका प्रयोग होता हैं एवं उनके लिए एक ही Plural Pronoun का प्रयोग किया जाए तो

- III + I Person → I Person Plural
- II + III Person → II Person Plural
- II + I Person → I Person Plural

  Example:

  a. **You** and **I** have done **our** job.

  b. **You he** and **I** have completed **our** duty.

  c. You and I have submitted our work on time.

Rule 6: Collective Noun के साथ, Pronoun का प्रयोग उस स्थिति में Singular (and Neuter Gender) में होता है जब Collective Noun का प्रयोग एक Unit के रूप में हो, यदि Collective Noun का प्रयोग Unit की तरह न होकर, बिखरा (Divided or Separate) हुआ होता हैं तो Plural Pronoun का प्रयोग किया जाता है।

Example

➢ Apart from Germany, they also visited Italy and Austria during **their** business trip.

Rule 7: जब दो या दो से अधिक Pronoun, and के साथ जुड़े होते हैं तो Pronoun Plural होता हैं ।

Example:

a. **Ram** and **Mohan** went to **their** school.

b. **Suresh** and **his family** members have completed **their** work.

Rule 8: जब दो Singular Nouns, and से संयुक्त हों एवं दोनों के पूर्व Each या Every का प्रयोग हुआ हो तो Pronoun भी Singular होगा।

Example:

a. **Each** officer and each clerk has joined **his** duty.

b. Every soldier and every officer was in his place.

Rule 9: Each, Either एवं Neither के साथ हमेशा Singular Pronoun एवं Singular Verb का प्रयोग किया जाता है।

Example

➢ Each of the employees needs to submit his or her reports by Friday.

Rule 10: जब दो या अधिक Singular Nouns 'or', 'Either......or', 'Neither......nor' से संयुक्त किए जाते हैं तो Pronoun, Singular प्रयोग किया जाता है।

Example

➢ Neither the tunny nor the coral fishery is carried on by the Sardinians themselves, who are not sailors by nature.

➢ Either my brother or my parents are going to bring the sleeping bags.

➢ Neither Suresh nor Ramesh is allowed to enter the class if they have not completed the homework given by me last week.

Rule 11: जब एक Plural एवं एक Singular Noun, 'or' या 'nor' से संयुक्त किए जाते हैं तो Pronoun-Plural लगता है।

Example:

a. **Either** the Principal **or** the teachers failed in **their** duty.

b. **Neither** the teacher **nor** the students have done **their** work.

Rule 12: तुलनात्मक (Comparative) वाक्यों में than या as के बाद Pronoun की Nominative Form का प्रयोग होगा या Objective Form का यह इस पर निर्भर है कि वाक्य का अर्थ क्या है।

Example:

a. I love you more than he (loves you).

b. I love you more than (I love) him.

c. I shall give you as many pens as (I shall give) him.

d. I am as intelligent as he (is).

Rule 13: "to be" Form Verb के बाद आने वाला Pronoun उसी Case में होना चाहिए, जिस case में verb "to be" के पहले आने वाला Noun या pronoun प्रयुक्त हुआ हैं ।

Example:

a. It is I.

b. This is She.

Note: यदि इस तरह के वाक्यों में who/which के साथ जब Clause का प्रयोग होता है। Verb 'to be' के बाद आने वाला Pronoun हमेशा Nominative case में प्रयोग किया जाता है।

Example:

a. It is he who is responsible.

b. It is she who refused the offer.

c. It is I who saw her yesterday.

d. It is he who will pay you.

Rule 14: Let, like, between, but, except एवं prepositions के बाद Objective Case का प्रयोग किया जाता है।

Example:

a. **Let <u>me</u>** do this work.

b. Let <u>me</u> clear the doubts, if any.

c. **Everybody <u>but</u>** him was present for the meeting.

Use of It:

Rule 1: It का प्रयोग जानवर, निर्जीव पदार्थ, देश व शिशु के लिए होता है। 'It' का बहुवचन 'they' होता है।

Example:

a. Here is your pen. Please take it.

b. He has a cat. It is very beautiful.

c. When he saw the child, it was playing.

Rule 2: It का प्रयोग time, weather (मौसम), temperature (तापमान) तथा distance (दूरी) या अन्य प्राकृतिक घटना को express (अभिव्यक्त) करने के लिए Introductory subject के रूप में होता है। इस case में 'it' को 'empty 'it' कहा जाता है क्योंकि इसका कोई अर्थ नहीं होता है।

Example:

a. It is 7 O'clock.

b. It is fine.

c. It is summer.

Rule 3: It का प्रयोग Infinitive, Gerund तथा Clause के बदले में भी होता है।

Example:

a. It rains.

b. It blows.

Rule 4: It का प्रयोग sentence के subject के रूप में noun या pronoun पर जोर डालने के लिए होता है।

Example:

a. It is you, who can solve this problem.

b. It is the place where he was murdered.

Rule 5: It का प्रयोग Phrase या clause को introduce करने के लिए होता है।

Example:

a. **That the Record will break today** is probable.

Rule 6: Exclamatory वाक्य में It का प्रयोग निम्न प्रकार किया जाता है ।

Example:

a. What a beautiful bird it is!

b. What a large building it is!

Rule 7: The possessive pronoun required here is "its" (without an apostrophe).

It's = it is

a. She has been a member of this club since its formation.

b. It's impossible to conduct truly causal research on media consumption and suicide.

c. Now it's referring to the same big lug who met his fate thanks to David's slingshot.

d. The energetic kitten is playful after having its breakfast.

e. A computer can't function without its motherboard.

Rule 15: कुछ Transitive Verbs के साथ Reflexive Pronoun का प्रयोग किया जाता है। Transitive Verb के साथ Object का आना आवश्यक है, जब इन verb के साथ कोई Object नहीं होता है, तो Reflexive Pronoun लगाकर object की पूर्ति करनी होती है।

verbs: avail, absent, enjoy, resign, apply, revenge, exert etc.

Example:

a. They enjoyed **<u>themselves</u>** the pleasure of weather.

b. Try to avail **<u>yourself</u>** of every opportunity that comes your way.

c. You should avail <u>yourself</u> of this opportunity to demonstrate your skills.